वन प्रशिक्षण संस्थान एवं रेंजरज़ कॉलेज सुन्दरनगर, मण्डी, हिमाचल प्रदेश

निदेशक द्वारा प्रस्तुत वार्षिक रिपोर्ट 2020–2021

वन प्रशिक्षण संस्थान व रेंजरज़ कॉलेज सुन्दरनगर में प्रशिक्षणरत वन परिक्षेत्र अधिकारियों के 18 माह के (2019–21 बैच) प्रशिक्षण कोर्स के पाँचवे बैच के दीक्षान्त समारोह के अवसर पर, वन प्रशिक्षण संस्थान एवम् रेंजरज़ कॉलेज सुन्दरनगर की ओर से मैं इस समारोह के मुख्य अतिथि डा. सविता, प्रधान मुख्य अरण्यपाल हिमाचल प्रदेश विशेष अतिथि आदरणीय श्री आर.पी. सिंह, निदेशक, वन शिक्षा निदेशालय, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, विभिन्न राज्यों के प्रधान मुख्य अरण्यपाल, वन शिक्षा निदेशालय के अर्न्तगत विभिन्न शिक्षण संस्थानों के निदेशक व प्रधानाचार्य, हिमाचल प्रदेश वन विभाग के मुख्यालय शिमला व विभाग के क्षेत्रिय कार्यालयओं से उपस्थित वन अधिकारी, Officer Trainees के अभिभावक, समारोह में उपस्थित इस संस्थान के अधिकारियों व कर्मचारियों, Social Media के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न हिस्सो से जुडें प्रेस बन्धु व अन्य गणमान्य, अतिथियों व मेरे प्रिय Officer Trainees. मैं इस दीक्षान्त समारोह में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ।

हि0 प्र0 में वानिकी शिक्षा का इतिहास, सन 1949 से आरम्भ हुआ, जब प्रदेश के विशाल वन क्षेत्र के वैज्ञानिक प्रबन्धन, विकास एवम् दोहन के लिए जुन्गा में "लोअर सबोर्डिनेट ट्रेनिंग स्कूल खोला गया। यह स्कूल 1952 में सोलन, और 1956 में मशोबरा स्थानान्त्रित किया गया। 1956–57 में, चम्बा जिले के "ममूल" नामक स्थान पर वन रक्षकों के लिए भू–संरक्षण

प्रशिक्षण विद्यालय खोला गया, यह विद्यालय 1960 में डलहौजी स्थानान्त्रित किया गया। इसके पशचात इन विद्यालयों को 1964 में एक ही स्कूल में समयोजित किया गया। सन 1968 में यह स्कूल चायल में स्थानान्त्रित किया गया। प्रदेश में प्रशिक्षण की मांग को पूरा करने के लिए सितम्बर 1993 में एक और वानिकी प्रशिक्षण केन्द्र सुन्दरनगर में खोला गया। तब से लेकर आज तक यहां सुन्दरनगर में प्रशिक्षण का कार्य किया जा रहा है।

4 मई 2006 को इन दोनों संस्थानों को सुचारू रूप से प्रबन्धन हेतू **"प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन प्रशिक्षण एवं विकास समिति"** का गठन किया गया। तथा अब ये दोनों वन प्रशिक्षण संस्थान एक सोसाईटी के अर्न्तगत कार्य कर रहें हैं।

वर्ष 2012 में प्रदेश सरकार क अनुरोघ पर भारत सरकार द्वारा वन प्रशिक्षण संस्थान सुन्दरनगर को रेंजरज़ कोर्स शुरू करने की मान्यता प्रदान की गई तथा इस संस्थान का नाम वन प्रशिक्षण संस्थान एवम् रेंजरज़ कॉलेज़ किया गया।

इस संस्थान द्धारा अभी तक 4 रेंजरज़ कोर्स विधिवत सम्पन्न करवाऐ जा चुके है। वर्तमान पॉचवा रेंजरज़ कोर्स (2019–21 बैच) जो कि 2 दिसम्बर 2019 को आरम्भ हुआ इसमें पॉच विभिन्न राज्यों से, उत्तराखण्ड से 01, कर्नाटक से 18, मध्य प्रदेश 09, मिजोरम से 03, तथा छतीसगढ से 09 रेंजरज़ कुल–40 उपस्थित हुए इनमें से दो प्रशिक्षणार्थी बीच में प्रशिक्षण छोड कर चले गये। वर्तमान में कुल 38 प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं जिनमें 9 महिलायें और 29 पुरूष हैं। इस संस्थान में रेंजरज़ प्रशिक्षण के अतिरिक्त वन रक्षकों की 6 माह की Regular Training करवाई जा रही है तथा इसके अतिरिक्त वन विभाग के अग्रिम

पंक्ति के अधिकारियों व कर्मचारियों को विभिन्न विषयों में अल्प अवधि का प्रशिक्षण (Refresher Course) भी करवाया जाता है।

वर्ष 2020–21 में कोविड़ महामारी के कारण संस्थागत प्रशिक्षण कुछ समय के लिए स्थगित किया गया था परन्तु जैसा कि प्रदेश सरकार द्वारा निर्देश थे संस्थान द्वारा नियमित व अल्प अवधि के प्रशिक्षण को online के माध्यम से जारी रखा। इस दौरान नियमित के अतिरिक्त संस्थान द्वारा 52 वन राजिक, उप वन राजिक व वन रक्षकों को online माध्यम से विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षित किया गया।

कोविड़ महामारी के कम होने पर इस संस्थान द्वारा जनवरी 2021 में पुनः संस्थागत नियमित व अल्प अवधि के प्रशिक्षण शुरू किया गया। 31 मार्च 2021 तक संस्थान द्वारा कुल 202 कर्मचारियों व अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया इसके अतिरिक्त इस संस्थान द्वारा वाह्य (Extranal Project) सहायता प्राप्त प्रयोजनाओं में कार्यरत कर्मचारियों व समुदायों को भी अल्प अवधि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें JICA के 196 तथा KFW के 65 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

इसके अतिरिक्त वन विभाग के अग्रिम पंक्ति में कार्यरत क्षेत्रिय कर्मचारियों में Physical Fitness के प्रति जगरूकता बढ़ाने के लिए Sports Management का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें कि वन विभाग के 28 खिलाडियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस संस्थान द्वारा SECURE Himalaya Project के अर्न्तगत हिमाचल सरकार को वन्यप्राणी प्रभाग द्वारा प्रयोजित प्रशिक्षण के अर्न्तगत 64 कर्मचारियों व अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया इसी Project के अर्न्तगत वन विभाग तथा Police के अधिकारियों व कर्मचारियों को संयुक्त रूप में Wildlife Crime से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया गया

हॉलाकि संस्थान में प्रशिक्षण के लिए अधिकारी उपलब्ध है परन्तु प्रशिक्षण में कुछ विशेष विषयों को ध्यान में रखते हुए संस्थान द्वारा विभिन्न विषय विशेषज्ञयों को राज्य के भीतर व राज्य के बाहर से भी आवश्यकता अनुसार आमन्त्रित किया गया।

संस्थान में तकनीकी Staff जैसे कि Sports Officer Pharmacist, PTI, System Administrate, Computer operator, Lab Assistant, Liberian चालको तथा कुछ अन्य Supports Staff की कमी महसूस की जा रही है। यदि ये Staff संस्थान में उपलब्ध हो जाता है तो संस्थान और अधिक कार्यकुशलता से प्रशिक्षण करवाने में सक्षम हो जाएगा।

प्रशिक्षणार्थी को और अधिक सुविधाएं देने के लिए संस्थान द्वारा प्रदेश सरकार द्वारा प्राप्त बजट से एक बहुउदेशीया भवन जिसमें Indoor खेलों की सुविधा रहेगी तथा एक In-service Hostel बनाया जा रहा है। जिसके बन जाने पर राष्ट्रीय स्तर पर Training करवाए जाने की सुविधा भी इस संस्थान में उपलब्ध हो जाएगी। क्योंकि प्रशिक्षण के स्तर को और अधिक सक्षम बनाने के लिए हम संस्थान के बाहर से विशेषज्ञयों को आमन्त्रित करते है तो उनके ठहरने के लिए भी प्रदेश सरकार द्वारा प्राप्त धनराशी से रहने की सुविधा Faculty Hostel का निमार्ण किया जा रहा है।

वर्तमान में प्रशिक्षणरत वन परिक्षेत्र अधिकारियों को इस संस्थान में सामान्य वनस्पति विज्ञान / गणित, आधुनिक उपकरणों और प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, वन वर्धन विज्ञान, वन संसाधन मूल्यांकन, वन सर्वेक्षण, वन अभियांत्रिकी, वनों पर प्रतिकूल प्रभाव, वनों का उपयोग, वन नीति एवं कानून, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरणीय विज्ञान, वन संसाधन प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, वन अर्थ शास्त्र, जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन, संयुक्त वन प्रबंधन ग्रामीण एवं आदिवासी विकास, मानव संसाधन विकास एवं प्रबंधन, वन लेखा एवं कार्यालय पद्धति विषयों पर कक्षा में भाषण व फील्ड एक्सरसाईज के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ–साथ शारीरिक योग्यता व अनुशासन के लिए प्रशिक्षणार्थियों को सुबह व्यायाम तथा शाम को खेलकूद में भाग लेना नियमित दिनचर्या के रुप में अनिवार्य रखा गया तथा संस्थान के छात्रावास, मैस, भाषण कक्ष में अच्छे व्यवहार के लिए बनाए गए नियमों का पालन करना भी प्रशिक्षण का अंग रखा गया है।

वन वृत मण्डी के वन मण्डल सुकेत व वन मण्डल मण्डी परिचयात्मक भ्रमण दिनांक 15 दिसम्बर 2019 से 21 दिसम्बर 2019 तक किया गया। जिसमें उन्होने वन वृत के अधिकारियों से बातचीत एवं स्थानीय ट्रैकिंग की। इसके साथ ही आन्तरिक भागों में ट्रैकिंग करवाई गयी। जनवरी 2020 के महिने में प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारियों का दल श्री चन्द्रशेखर, हि0प्र0व0से0 उप निदेशक एवं श्रीमति पारूल सूद हि0प्र0व0से0 उप निदेशक के नेतृत्व में दिनांक 02 जनवरी 2020 से 01 फरवरी 2020 मध्य भारत एवं पश्चिमी भारत अध्ययन भ्रमण हेतू तक ले जाया गया।

13 जनवरी 2021 से 29 जनवरी 2021 तक हिल अध्ययन भ्रमण (Hill Study Tour) मनाली हिमाचल प्रदेश में करवाया गया। इस दौरान अन्य गतिविधियों के साथ–साथ Forest Survival Technique जैसे Rock Climbing, River Crossing, Snow Skining, का भी प्रशिक्षण दिया गया।

02 फरवरी 2021 से 10 फरवरी 2021 तक प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारियों का दल कार्य योजना (Working Plan) एक्सरसाईज हेतू सुकेत वन मण्डल की वलद्धाडा वन प्ररिक्षत्र की लेदा ब्लाक ले जाया गया। इसी मध्य रोड़ ऐलाईनमैंन्ट का प्रशिक्षण जवाहर लाल नेहरू सरकारी अभियान्त्रिकी कॉलेज़, सुन्दरनगर में करवाया गया।

देश में कोविड़–19 के फैलने के कारण 15 मार्च 2021 से 28 मार्च 2021 तक प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारियों का East India Virtual Tour आयोजित किया गया, 19 अप्रैल 2021 से 24 अप्रैल 2021 तक प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारियों का South India Virtual Tour आयोजित किया गया, 26 अप्रैल 2021 से 01 मई 2 रोड़ ऐलाईनमैंन्ट पर अभ्यास 021 तक प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारियों का North India Virtual Tour आयोजित किया गया।

मुझे ये जानकारी देते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इन प्रशिक्षुओ द्वारा आज 18 माह की प्रशिक्षण अवधि पूर्ण कर ली है। मैं सभी Trainees जिन्होने इस संस्थान से Training पूर्ण की, उन्हे लम्बी आयु व उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि इस प्रशिक्षण का सम्पूर्ण लाभ लेकर सभी प्रशिक्षणार्थी वन विभाग के उच्च आदर्शों एंव मूल्यों की परम्परा को कायम रखते हुए अपने दायित्व को दक्षतापूर्वक निभाएंगे।

अन्त में, मैं मुख्य अतिथि, समारोह में समलित विशेष अतिथि व अन्य गणमान्य अतिथियों का पुनः आभार प्रकट करता हूँ जिन्होने अपना बहुमूल्य समय इस समारोह को दिया तथा इस संस्थान को गरिमा प्रदान की।

निदेशक,
वन प्रशिक्षण संस्थान एवं रेंजरज़ कॉलेज,
सुन्दरनगर जिला मण्डी हि0प्र0